भारत का भौतिक स्वरूप

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» भारत की भूगर्भीय विविधता एवं मुख्य भौगोलिक विभाजन

प्रश्न 1 (आसान). भारत को कितने मुख्य भौगोलिक विभागों में विभाजित किया गया है?
उत्तर – 6 मुख्य विभागों में।

प्रश्न 2 (आसान). भारत का कौन सा भूभाग प्राचीन गोंडवाना भूमि का हिस्सा है?
उत्तर – प्रायद्वीपीय पठार।

प्रश्न 3 (मध्यम). हिमालय को भूगर्भीय रूप से 'युवा' क्यों कहा जाता है?
उत्तर – क्योंकि इसका निर्माण हाल की भूगर्भीय समयावधि में भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों के टकराने से हुआ है और इसमें आज भी परिवर्तन हो रहे हैं।

प्रश्न 4 (कठिन). भारत की भूगर्भीय विविधता का यहाँ के मुख्य भौगोलिक विभाजनों पर क्या प्रभाव पड़ा है?
उत्तर – विभिन्न कालों में बनी चट्टानों और भूगर्भीय हलचलों के कारण उत्तर में पर्वत व मैदान, दक्षिण में प्राचीन पठार और तटों पर मैदानी व द्वीपीय संरचनाएँ बनीं।

» हिमालय पर्वत श्रृंखला: उत्तर-दक्षिण देशांतरीय विस्तार

प्रश्न 5 (आसान). हिमालय की सबसे उत्तरी और सबसे ऊँची श्रृंखला का क्या नाम है?
उत्तर – महान हिमालय या हिमाद्रि।

प्रश्न 6 (आसान). हिमालय की सबसे बाहरी और सबसे कम ऊँचाई वाली श्रृंखला कौन-सी है?
उत्तर – शिवालिक।

प्रश्न 7 (मध्यम). हिमाचल (निम्न हिमालय) और शिवालिक के बीच पाई जाने वाली घाटियों को क्या कहते हैं? दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर – उन्हें 'दून' कहा जाता है; जैसे–देहरादून और पाटलीदून।

प्रश्न 8 (कठिन). हिमाद्रि और हिमाचल श्रेणियों के निर्माण, ऊँचाई और जलवायु में मुख्य अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – हिमाद्रि सबसे उत्तर में है, औसत ऊँचाई 6000m है, ग्रेनाइट से बनी है और हमेशा बर्फ से ढकी रहती है। जबकि हिमाचल इसके दक्षिण में है, औसत ऊँचाई 3700-4500m है, अत्यधिक संपीडित शैलों से बनी है और यहाँ प्रसिद्ध पहाड़ी नगर (Hill stations) स्थित हैं।

» हिमालय का क्षेत्रीय (पश्चिम से पूर्व) विभाजन एवं पूर्वांचल

प्रश्न 9 (आसान). सतलुज और सिंधु नदी के बीच स्थित हिमालय को किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर – पंजाब हिमालय (या कश्मीर/हिमाचल हिमालय)।

प्रश्न 10 (आसान). पूर्वांचल की दो प्रमुख पहाड़ियों के नाम बताइए।
उत्तर – पटकाई और नागा पहाड़ियाँ।

प्रश्न 11 (मध्यम). नेपाल हिमालय किन दो नदियों के बीच फैला हुआ है?
उत्तर – काली नदी और तिस्ता नदी के बीच।

प्रश्न 12 (कठिन). दिहांग महाखड्ड (गार्ज) के बाद हिमालय में क्या भौगोलिक बदलाव आता है और उसे किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर – दिहांग गार्ज के बाद हिमालय दक्षिण की ओर एक तीव्र मोड़ बनाते हुए भारत की पूर्वी सीमा के साथ फैल जाता है, जिसे पूर्वाचल या पूर्वी पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है।

» उत्तरी मैदान: नदियाँ और क्षेत्रीय उपवर्ग

प्रश्न 13 (आसान). उत्तरी मैदान किन तीन प्रमुख नदी प्रणालियों से मिलकर बना है?

उत्तर – सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली।

प्रश्न 14 (आसान). 'दोआब' शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है?

उत्तर – दो नदियों के बीच का भू-भाग।

प्रश्न 15 (मध्यम). सहायक नदी और वितरिका में क्या मुख्य अंतर है?

उत्तर – सहायक नदी मुख्य नदी में आकर अपना पानी मिलाती है, जबकि वितरिका निचले भाग में गाद जमा होने के कारण मुख्य नदी से अलग होकर कई धाराओं में बँट जाती है।

प्रश्न 16 (कठिन). उत्तरी मैदान के तीनों क्षेत्रीय उपवर्गों का पश्चिम से पूर्व की ओर क्रम बताते हुए उनकी सीमाएँ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – 1. पंजाब का मैदान (पश्चिम में, सिंधु व उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित), 2. गंगा का मैदान (मध्य में, घग्घर और तिस्ता नदियों के बीच), 3. ब्रह्मपुत्र का मैदान (पूर्व में, मुख्यतः असम राज्य में)।

» उत्तरी मैदान की आकृतिक भिन्नता (भाबर, तराई, भांगर और खादर)

प्रश्न 17 (आसान). उत्तरी मैदान के नए और युवा जलोढ़ निक्षेपों को क्या कहते हैं?

उत्तर – खादर

प्रश्न 18 (आसान). भांगर मृदा में पाए जाने वाले चूनेदार निक्षेपों को स्थानीय भाषा में क्या कहा जाता है?

उत्तर – कंकड़

प्रश्न 19 (मध्यम). भाबर और तराई क्षेत्र में दो मुख्य अंतर बताइए।

उत्तर – भाबर शिवालिक के गिरिपाद में कंकड़-पत्थर की पट्टी है जहाँ नदियाँ विलुप्त हो जाती हैं, जबकि तराई भाबर के दक्षिण में नदियों के पुन: प्रकट होने से बना नम और दलदली क्षेत्र है।

प्रश्न 20 (कठिन). खादर क्षेत्र गहन कृषि के लिए भांगर की तुलना में अधिक आदर्श क्यों माना जाता है?

उत्तर – क्योंकि खादर में हर साल बाढ़ के माध्यम से नदियों द्वारा नई और अत्यधिक उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी का निक्षेपण (पुनर्निर्माण) होता है, जबकि भांगर पुराना और कम उपजाऊ जलोढ़ होता है।

» प्रायद्वीपीय पठार: मध्य उच्चभूमि और दक्कन का पठार

प्रश्न 21 (आसान). प्रायद्वीपीय पठार की आकृति किस वस्तु जैसी है?

उत्तर – मेज (Table) जैसी आकृति।

प्रश्न 22 (आसान). नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित पठारी भाग को किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर – मध्य उच्चभूमि (Central Highlands)।

प्रश्न 23 (मध्यम). मध्य उच्चभूमि की नदियाँ दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर क्यों बहती हैं?

उत्तर – क्योंकि उस क्षेत्र का भूगर्भीय ढलान दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर है।

प्रश्न 24 (कठिन). प्रायद्वीपीय पठार को पृथ्वी की सतह का प्राचीनतम भाग क्यों माना जाता है?

उत्तर – क्योंकि इसका निर्माण प्राचीन गोंडवाना भूमि के टूटने और विस्थापन (drift) के कारण हुआ था, जो आग्नेय और रूपांतरित शैलों से बनी है।

» पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट

प्रश्न 25 (आसान). पश्चिमी घाट की सबसे ऊँची चोटी का नाम क्या है?
उत्तर – अनाईमुडी (2,695 मीटर)

प्रश्न 26 (आसान). पूर्वी घाट का विस्तार किस खाड़ी के समानांतर है?
उत्तर – बंगाल की खाड़ी

प्रश्न 27 (मध्यम). पूर्वी घाट सतत क्यों नहीं हैं? इसका भौगोलिक कारण स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – क्योंकि प्रायद्वीपीय पठार की नदियाँ (जैसे महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी) बंगाल की खाड़ी में गिरते समय पूर्वी घाट को जगह-जगह से काट देती हैं।

प्रश्न 28 (कठिन). पश्चिमी घाट में ओरोग्राफिक (पर्वतीय) वर्षा कैसे होती है?
उत्तर – दक्षिण-पश्चिम मानसून की नमी से भरी हवाएं जब पश्चिमी घाट की ढलान से टकराकर ऊपर उठती हैं, तो ठंडी होकर पश्चिमी ढलानों पर भारी वर्षा करती हैं।

» भारतीय मरुस्थल (थार)

प्रश्न 29 (आसान). थार मरुस्थल भारत के किस पर्वतमाला के पश्चिम में स्थित है?
उत्तर – अरावली पर्वतमाला

प्रश्न 30 (आसान). थार मरुस्थल में बहने वाली सबसे बड़ी नदी का क्या नाम है?
उत्तर – लूनी नदी

प्रश्न 31 (मध्यम). 'बरकान' से आप क्या समझते हैं?
उत्तर – बरकान मरुस्थलीय क्षेत्रों में पवन द्वारा बनाए गए अर्धचंद्राकार (आधे चाँद के आकार के) बालू के टीले होते हैं।

प्रश्न 32 (कठिन). लूनी नदी समुद्र तक क्यों नहीं पहुँच पाती? भौगोलिक कारण स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – थार मरुस्थल में अत्यधिक शुष्क जलवायु और कम वर्षा (150 mm से कम) होने के कारण नदी में जल की मात्रा बहुत कम होती है और वाष्पीकरण अधिक होता है, जिससे यह रास्ते की रेत में ही विलीन हो जाती है।

» तटीय मैदान: पश्चिमी और पूर्वी तट

प्रश्न 33 (आसान). भारत के किस तट पर चिल्का झील स्थित है?
उत्तर – पूर्वी तटीय मैदान (ओडिशा में)।

प्रश्न 34 (आसान). गोवा के तटीय भाग को किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर – कोंकण तट।

प्रश्न 35 (मध्यम). पश्चिमी और पूर्वी तटीय मैदानों में चौड़ाई के आधार पर मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – पश्चिमी तटीय मैदान अत्यधिक संकरा (narrow) है, जबकि पूर्वी तटीय मैदान काफी चौड़ा और समतल है।

प्रश्न 36 (कठिन). पूर्वी तटीय मैदान के दो प्रमुख उप-विभाग कौन से हैं और नदियाँ यहाँ बड़े डेल्टा क्यों बनाती हैं?
उत्तर – दो भाग हैं: उत्तरी सरकार (उत्तरी भाग) और कोरोमंडल तट (दक्षिणी भाग)। नदियाँ यहाँ ढाल कम होने और मैदान चौड़ा होने के कारण महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसे विशाल डेल्टा बनाती हैं।

» भारत के द्वीप समूह (लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार)

प्रश्न 37 (आसान). अरब सागर में स्थित भारतीय द्वीप समूह का नाम क्या है?
उत्तर – लक्षद्वीप

प्रश्न 38 (आसान). लक्षद्वीप का प्रशासनिक मुख्यालय कहाँ स्थित है?

उत्तर – कवारत्ती

प्रश्न 39 (मध्यम). लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की उत्पत्ति में क्या मुख्य अंतर है?

उत्तर – लक्षद्वीप सूक्ष्म प्रवाल जीवों (Corals) के अवशेषों से बना है, जबकि अंडमान-निकोबार समुद्र में डूबी हुई पर्वत श्रेणियों के ऊपरी भाग हैं।

प्रश्न 40 (कठिन). भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी कहाँ स्थित है और इसका क्या भौगोलिक महत्व है?

उत्तर – भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के 'बैरेन द्वीप' पर स्थित है, जो इस क्षेत्र की आग्नेय भूगर्भीय हलचलों को दर्शाता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. यदि आपको भारत के सबसे प्राचीन और सबसे नवीन भू-भागों की तुलना करनी हो, तो आप किन्हें चुनेंगे और क्यों?

› चरण 1: सबसे प्राचीन भू-भाग की पहचान करें – प्रायद्वीपीय पठार, जो गोंडवाना भूमि का हिस्सा था।

› चरण 2: सबसे नवीन भू-भाग की पहचान करें – हिमालय पर्वत तथा उत्तरी मैदान।

› चरण 3: कारण बताएँ – प्रायद्वीपीय पठार स्थिरता को दर्शाता है, जबकि हिमालय वलित पर्वत के रूप में भूगर्भीय रूप से अभी भी परिवर्तनशील है।

उत्तर – प्राचीनतम भू-भाग प्रायद्वीपीय पठार है क्योंकि यह गोंडवाना भूमि का भाग है, और नवीन भू-भाग हिमालय है जो टेथिस सागर के अवसादों के वलन से बना है।

उदाहरण 2. यदि आपको उत्तर से दक्षिण की ओर यात्रा करते हुए हिमालय की तीनों श्रेणियों को पार करना हो, तो आप किस क्रम में किन-किन श्रेणियों से गुज़रेंगे और किस श्रेणी में देहरादून स्थित होगा?

› स्टेप 1: उत्तर दिशा में सबसे पहली और सबसे ऊँची श्रेणी है–'महान हिमालय' या हिमाद्रि।

› स्टेप 2: हिमाद्रि के दक्षिण में आगे बढ़ने पर बीच की श्रेणी आएगी–'निम्न हिमालय' या हिमाचल।

› स्टेप 3: सबसे दक्षिण (बाहरी) भाग में पहुँचेगे जो है–'शिवालिक'।

› स्टेप 4: देहरादून एक 'दून' घाटी है, जो हिमाचल और शिवालिक के बीच स्थित है।

उत्तर – यात्रा का सही क्रम है: हिमाद्रि हिमाचल शिवालिक। देहरादून शिवालिक और हिमाचल के बीच स्थित है।

उदाहरण 3. यदि आप उत्तराखंड से यात्रा शुरू करके सिक्किम पहुँचते हैं, तो आप हिमालय के किन दो क्षेत्रीय विभागों से होकर गुज़रेंगे और उन्हें कौन-सी नदियाँ अलग करती हैं?

› कदम 1: उत्तराखंड का क्षेत्र सतलुज और काली नदी के बीच आता है, जिसे 'कुमाऊँ हिमालय' कहते हैं।

› कदम 2: सिक्किम का क्षेत्र काली और तिस्ता नदी के बीच आता है, जिसे 'नेपाल हिमालय' कहते हैं।

› कदम 3: इन दोनों भागों को सीमांकित करने वाली नदी 'काली नदी' है।

उत्तर – आप कुमाऊँ हिमालय से नेपाल हिमालय की ओर जाएँगे, और इन्हें पृथक करने वाली नदी काली नदी है।

उदाहरण 4. यदि किसी क्षेत्र में दो नदियाँ आपस में मिलकर बह रही हैं और उनके बीच का उपजाऊ स्थल भौगोलिक दृष्टि से क्या कहलाएगा, और इसका एक प्रसिद्ध उदाहरण दें?

› स्टेप 1: 'दो' का अर्थ है संख्या 2 और 'आब' का अर्थ है पानी/नदी।

› स्टेप 2: दो नदियों के बीच की भूमि को 'दोआब' कहा जाता है।

› स्टेप 3: इसका सबसे प्रसिद्ध प्रादेशिक उदाहरण 'पंजाब' (पाँच नदियों की भूमि) और गंगा-यमुना दोआब है।

उत्तर – यह क्षेत्र 'दोआब' कहलाता है। इसका प्रमुख उदाहरण पंजाब का मैदान है।

उदाहरण 5. यदि किसी क्षेत्र में नदियाँ विलुप्त हो जाती हैं और भूमि कंकड़-पत्थरों से ढकी है, तो वह आकृतिक लक्षण कौन-सा है और तराई से कैसे भिन्न है?

› स्टेप 1: शिवालिक के ठीक नीचे 8-16 किमी चौड़ी कंकड़-पत्थरों वाली पट्टी को पहचानें जहाँ नदियाँ धरातल के नीचे बहती हैं – यह 'भाबर' है।

› स्टेप 2: इसके विपरीत, भाबर के आगे जहाँ नदियाँ पुनः धरातल पर निकलकर दलदली और नम क्षेत्र बनाती हैं, वह 'तराई' है।

› स्टेप 3: मुख्य अंतर: भाबर शुष्क व पत्थरों से भरा है (जल विलुप्त), जबकि तराई अत्यधिक नम व वनों से भरा दलदली क्षेत्र है।

उत्तर – यह भाबर क्षेत्र है। भाबर में नदियाँ पत्थरों के नीचे छुप जाती हैं, जबकि तराई में नदियाँ पुनः बाहर आकर दलदली भूमि बनाती हैं।

उदाहरण 6. नर्मदा नदी प्रायद्वीपीय पठार को किन दो प्रमुख भागों में विभाजित करती है और मध्य उच्चभूमि की मुख्य नदियों के नाम बताइए?

› पहला कदम: नर्मदा नदी के उत्तर और दक्षिण के विभाजन को पहचानें। नर्मदा के उत्तर में 'मध्य उच्चभूमि' है और दक्षिण में 'दक्कन का पठार' है।

› दूसरा कदम: मध्य उच्चभूमि क्षेत्र में बहने वाली मुख्य नदियों को चिह्नित करें।

› तीसरा कदम: इन नदियों में चंबल, सिंध, बेतवा और केन शामिल हैं जो दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर बहती हैं।

उत्तर – नर्मदा नदी प्रायद्वीपीय पठार को 'मध्य उच्चभूमि' (उत्तर) और 'दक्कन का पठार' (दक्षिण) में बाँटती है। मध्य उच्चभूमि की प्रमुख नदियाँ चंबल, सिंध, बेतवा और केन हैं।

उदाहरण 7. पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट के बीच मुख्य भौगोलिक अंतरों की तुलना कीजिए।

› स्टेप 1: निरंतरता देखें – पश्चिमी घाट लगातार (सतत) हैं जिन्हें केवल दर्रों से पार किया जा सकता है, जबकि पूर्वी घाट कटी-फटी पहाड़ियों के रूप में हैं।

› स्टेप 2: ऊँचाई और शिखर – पश्चिमी घाट की ऊँचाई 900-1600 मीटर (शिखर: अनाईमुडी) है, जबकि पूर्वी घाट की ऊँचाई 600 मीटर (शिखर: महेंद्रगिरि) है।

› स्टेप 3: वर्षा और नदियाँ – पश्चिमी घाट मानसूनी हवाओं को रोककर भारी पर्वतीय वर्षा कराते हैं, जबकि पूर्वी घाट से होकर नदियाँ बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

उत्तर – पश्चिमी घाट अधिक ऊँचे, सतत और अत्यधिक वर्षा वाले हैं, जबकि पूर्वी घाट कम ऊँचे, असंतत और नदियों द्वारा विच्छेदित हैं।

उदाहरण 8. थार मरुस्थल की तीन प्रमुख भौगोलिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

› पहला बिंदु: यह अरावली के पश्चिम में स्थित है और यहाँ प्रति वर्ष 150 मिमी से कम वर्षा होती है, जिससे जलवायु अत्यधिक शुष्क रहती है।

› दूसरा बिंदु: यहाँ बालू के बड़े-बड़े अर्धचंद्राकार टीले पाए जाते हैं, जिन्हें 'बरकान' कहा जाता है।

› तीसरा बिंदु: इस क्षेत्र की एकमात्र सबसे बड़ी नदी 'लूनी' है, जो अत्यधिक शुष्कता के कारण समुद्र तक नहीं पहुँच पाती।

उत्तर – थार मरुस्थल की तीन मुख्य विशेषताएँ हैं: अति-अल्प वर्षा (150 mm से कम), बरकान (रेत के टीले), तथा लूनी नदी का बहना।

उदाहरण 9. यदि आप रेलगाड़ी से केरल से मुंबई की ओर जा रहे हैं, तो आप पश्चिमी तटीय मैदान के किन-किन भागों से होकर गुज़रेंगे? क्रम से बताइए।

› स्टेप 1: यात्रा केरल से शुरू हो रही है, जो पश्चिमी तट का सबसे दक्षिणी भाग यानी 'मालाबार तट' है।

› स्टेप 2: केरल से आगे कर्नाटक का तटीय क्षेत्र आता है, जिसे 'कन्नड़ तट' कहा जाता है।

› स्टेप 3: अंत में गोवा और महाराष्ट्र का तटीय क्षेत्र आता है, जिसे 'कोंकण तट' कहते हैं।

उत्तर – आप क्रम से मालाबार तट, कन्नड़ तट और फिर कोंकण तट से होकर गुज़रेंगे।

उदाहरण 10. यदि आपको किसी ऐसे भारतीय द्वीप समूह की यात्रा करनी हो जो प्रवाल निक्षेपों (Coral deposits) से बना है और अरब सागर में स्थित है, तो आप किस द्वीप समूह का चयन करेंगे?

› चरण 1: स्थिति देखें – अरब सागर (भारत का पश्चिमी समुद्री भाग)।

› चरण 2: उत्पत्ति देखें – सूक्ष्म समुद्री प्रवाल जीवों के कंकाल से निर्मित।

› चरण 3: दोनों विशेषताओं का मिलान लक्षद्वीप से होता है, क्योंकि अंडमान-निकोबार बंगाल की खाड़ी में है और पर्वत श्रेणियों से बना है।

उत्तर – सही उत्तर 'लक्षद्वीप' है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• परीक्षा में भारत के 6 भौगोलिक विभागों के नाम अक्सर 3 या 5 अंकों के प्रश्न में पूछे जाते हैं, इन्हें क्रमानुसार याद रखें।

• परीक्षार्थी ध्यान दें: बोर्ड परीक्षा में तीनों श्रेणियों की ऊँचाई और प्रमुख विशेषताओं की तुलना करने वाला 3 या 5 अंक का प्रश्न अक्सर आता है।

• परीक्षार्थी ध्यान दें: 'नेपाल हिमालय किन दो नदियों के बीच है' – यह प्रश्न वस्तुनिष्ठ (MCQ) और 1-अंक वाले प्रश्नों में बार-बार पूछा जाता है।

• परीक्षार्थी ध्यान दें: 'दोआब' की परिभाषा और उत्तरी मैदान के तीनों उपवर्गों के नाम मानचित्र अभ्यास के साथ 3-नंबर वाले प्रश्नों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

• बोर्ड परीक्षा में 'भांगर और खादर में अंतर' 3 अंक का सीधा प्रश्न आता है, अंतर हमेशा तालिका (Table) बनाकर लिखें।

• मानचित्र आधारित प्रश्नों में मध्य उच्चभूमि और मालवा के पठार की स्थिति दर्शाने के लिए नर्मदा नदी के ठीक उत्तर वाले भाग को चिह्नित करें।

• यह प्रश्न कक्षा 9 की बोर्ड परीक्षाओं में 3 या 5 अंकों के अंतर-स्पष्ट अंतर वाले प्रश्न (Difference-based question) के रूप में बार-बार पूछा जाता है। तालिका बनाकर 4 स्पष्ट अंतर ज़रूर लिखें!

• बोर्ड परीक्षा में 'बरकान' की परिभाषा और 'लूनी नदी' की विशेषता पर 2 नंबर का प्रश्न अक्सर पूछा जाता है, इसे ज़रूर रेखांकित करें!

• मानचित्र आधारित प्रश्नों में मालाबार (केरल) और कोरोमंडल (तमिलनाडु) को दर्शाने के लिए यह 3-नंबर का सीधा प्रश्न आता है।

• परीक्षार्थी ध्यान दें: लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार की उत्पत्ति के अंतर (प्रवाल बनाम निमज्जित पर्वत) पर अक्सर 3 अंकों का तुलनात्मक प्रश्न पूछा जाता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› भारत 6 भौगोलिक भागों में बँटा है; पठार प्राचीनतम और हिमालय नवीन वलित पर्वत है।

› हिमालय की 3 श्रेणियाँ: हिमाद्रि (6000m), हिमाचल (3700-4500m), शिवालिक (900-1100m)।

› पश्चिम से पूर्व हिमालय का विभाजन नदियों (सिंधु, सतलुज, काली, तिस्ता, दिहांग) की सीमाओं पर आधारित है।

› उत्तरी मैदान 3 नदी तंत्रों (सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र) से बना 3 उपवर्गों में विभाजित है।

› उत्तर से दक्षिण: भाबर (कंकड़) -> तराई (दलदल) -> भांगर (पुराना जलोढ़) -> खादर (नया जलोढ़)।

› प्रायद्वीपीय पठार गोंडवाना भूमि का भाग है, नर्मदा इसे मध्य उच्चभूमि व दक्कन पठार में बाँटती है।

› पश्चिमी घाट: ऊँचे, सतत, अनाईमुडी चोटी। पूर्वी घाट: कम ऊँचे, असंतत, महेंद्रगिरि चोटी।

› थार मरुस्थल: अरावली के पश्चिम में, <150mm वर्षा, लूनी नदी, बरकान (बालू टिब्बे)।

› पश्चिमी तट (कोंकण, कन्नड़, मालाबार) संकरा; पूर्वी तट (उत्तरी सरकार, कोरोमंडल) चौड़ा व चिल्का झील युक्त।

› लक्षद्वीप: प्रवाल निर्मित (अरब सागर); अंडमान-निकोबार: निमज्जित पर्वत श्रेणियाँ (बंगाल की खाड़ी)।